लोकतंत्र की सफलता की शर्तें
(Conditions For Successful Working of Democracy)

लोकतंत्र की सफलता के लिए कुछ शर्तें अवश्य रखनी होगी। लोकतंत्र में जनता अधिकांशतः शिक्षित, संवेदनशील और उत्तरदायित्व की भावना से परिपूर्ण होनी चाहिए। अतः, जनता में ये गुण विकसित करना जरूरी है। दूसरे शब्दों में लोकतंत्रीय राज्य को सार्वजनिक शिक्षा का विस्तृत प्रबंध करना चाहिए। और जनसंपर्क के साधनों की सहायता से जनता में मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगानी चाहिए। यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि लोकतंत्र उन्हीं देशों में सफल हुआ है जहां स्वस्थ लोकतंत्रीय परंपराएं रही है।

अतः जहाँ लोकतंत्रीय शासन - प्रणाली लागू की जाय वहां सर्वसाधारण में लोकतंत्र की भावना, विकसित करने का पूरा प्रयत्न होना चाहिए।

देश में शांति और व्यवस्था का वातावरण हो → यदि देश में उपद्रव या संकट उपस्थित हो तो लोकतंत्र को तब-तक स्थगित रखना जरूरी होगा, जब तक स्थिति सामान्य न हो जाए। आपातकालीन व्यवस्थाएँ (Emergency provisions) रखी जाती है। ताकि देश के बाहर या भीतर से कोई खतरा पैदा होने पर शासन को शक्तियां प्राप्त हो सके। और जब तक सामान्य स्थिति न लौट आए तब तक वह अधिक से अधिक प्रभावशाली शासन के रूप में कार्य कर सके।

आर्थिक समानता —: (Economic Equality) और सामाजिक न्याय (Social Justice) की स्थापना भी आवश्यक है। यदि समाज की आर्थिक व्यवस्था में विषमता को जन्म देती है। तो उस पर राजनीतिक लोकतंत्र (Political Democracy) का पर्दा डाल कर वंचित वर्ग को ज्यादा दिन तक गुमराह नहीं किया जा सकता।

अतः लोकतंत्र की सफलता के लिए यह भी आवश्यक है।
सामाजिक स्तर पर विभिन्न वर्गों को विविध विशेषाधिकार न मिले हों, न किसी वर्ग को नीचा निगाह में देखा जाता हो।
जहाँ लोकतंत्र स्थापित करना हो, वहां केवल लोकतंत्रीय शासन - प्रणाली स्थापित कर देना पर्याप्त नहीं, यदि उसके साथ उपयुक्त सामाजिक परिवर्तन नहीं लाए जाएंगे, तो लोकतंत्रीय शासन - प्रणाली भीतर से कड़क कर टूट जाएगी।

अधिनायकतंत्र
(Dictatorship)

अधिनायकतंत्र का स्वरूप (The nature of Dictatorship)
अधिनायकतंत्र या अधिनायकवाद → शब्द का प्रयोग साधारणतः ऐसे संदर्भ में करते हैं, जहाँ कोई व्यक्ति अपने विलक्षण नेतृत्व, लोकप्रियता या अन्य संगठन की निष्ठा के बल पर संवैधानिक व्यवस्था (constitutional System) को धाराशायी करके पूर्ण सत्ता पर अपना अधिकार स्थापित कर लेता है।

अधिनायकतंत्र लोकतंत्र का विपरीत पक्ष प्रस्तुत करता है → लोकतंत्र राज्य और समाज के बीच अटूट संबंध स्थापित करना चाहता है, अधिनायकवाद राज्य को समाज से काट देता है। अधिनायकतंत्र की विडंबना यह है कि वह राज्य और समाज की समवर्ती सत्ता घोषित करके वे सारी शक्तियां राज्य के हाथों में दे देता है।